



**University of Rajasthan  
Jaipur**

**SYLLABUS**

**M.A. Sanskrit**

**Annual Scheme**

**M.A. (Previous) Examination 2021**

**M.A. (Final) Examination 2022**

Raj / Jaipur

*a*

**परीक्षा प्रणाली**  
**एम.ए. संस्कृत (पूर्वाद्ध) परीक्षा- २०२१**

एम.ए. पूर्वाद्ध की परीक्षा में चार प्रश्नपत्र होंगे। जिनमें से विद्यार्थी को चारों प्रश्नपत्र करने हैं। प्रथम प्रश्न पत्र में नियमित विद्यार्थी विकल्प का चयन कर सकते हैं। प्रत्येक का पूर्णांक 100 अंक का तथा समय की अवधि तीन घंटे निर्धारित है। प्रत्येक प्रश्न-पत्र में 20 प्रतिशत अंक के प्रश्न संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जायेंगे। चारों प्रश्नपत्र अनिवार्य हैं।

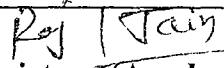
प्रथम प्रश्न-पत्र	वैदिक साहित्य और तुलनात्मक भाषा विज्ञान (नियमित एवं स्वयंपाठी दोनों छात्रों के लिए) अथवा ज्योतिषशास्त्र का इतिहास एवं फलित सिद्धान्त (केवल नियमित छात्रों के लिए)
द्वितीय प्रश्न-पत्र	ललित साहित्य तथा नाटक
तृतीय प्रश्न-पत्र	भारतीय दर्शन
चतुर्थ प्रश्न-पत्र	भारतीय काव्यशास्त्र एवं व्याकरण

**एम. ए. संस्कृत (उत्तराद्ध) परीक्षा-२०२२**

इस परीक्षा में पांच प्रश्न-पत्र होंगे। प्रस्तावित विषय वर्गों में से एक वर्ग का चयन करना होगा, जिसके तीन प्रश्नपत्र प्रतिवर्ग निर्धारित हैं। चतुर्थ एवं पंचम पत्र सभी वर्गों के विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य हैं। सभी पत्रों का समय तीन घंटों की अवधि का रहेगा तथा सभी पत्र 100 अंक के निश्चित किये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न-पत्र में 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु सुरक्षित है। पूर्वाद्ध की परीक्षा में 55 प्रतिशत या इससे अधिक अंक प्राप्त नियमित परीक्षार्थी के लिए उत्तराद्ध के पंचम प्रश्न-पत्र के स्थान पर लघुशोध प्रबन्ध का विकल्प भी उपलब्ध है।

वर्ग 'अ' साहित्य

प्रथम पत्र	साहित्यशास्त्र
द्वितीय पत्र	नाटक तथा नाट्यशास्त्र
तृतीय पत्र	(i) गद्य, पद्य तथा चम्पू, अथवा (ii) कालिदास का विशिष्ट अध्ययन (iii) अथवा महाकवि भास का विशिष्ट अध्ययन (तीनों में से कोई एक)

  
**Dy. Registrar (Academic-I)**  
**University of Rajasthan**  
**Jaipur**

## वर्ग 'ब' वैदिक साहित्य

प्रथम पत्र	संहिता पाठ
द्वितीय पत्र	ब्राह्मण, उपनिषद् तथा वैदिक सहायक ग्रन्थ
तृतीय पत्र	वैदिक धर्म, देवशास्त्र एवं वैदिकी प्रक्रिया

## वर्ग 'स' दर्शनशास्त्र

प्रथम पत्र	न्याय और वैशेषिक दर्शन
द्वितीय पत्र	शैवागम, सांख्य दर्शन और दर्शनशास्त्र
तृतीय पत्र	वेदान्त, मीमांसा एवं अवैदिक दर्शन

## वर्ग 'द' धर्मशास्त्र

प्रथम पत्र	सूत्र और धर्मशास्त्र का इतिहास
द्वितीय पत्र	स्मृति शास्त्र
तृतीय पत्र	निबन्ध साहित्य, व्यवहार एवं प्रायश्चित्त ज्ञान

## वर्ग 'एफ' ज्योतिषशास्त्र

प्रथम पत्र	ज्योतिषविज्ञान, खगोल एवं ताजिकशास्त्र
द्वितीय पत्र	वास्तुविज्ञान एवं मुहूर्त
तृतीय पत्र	जन्मपत्र-निर्माण फलादेश के सिद्धान्त

## सभी वर्गों के लिए अनिवार्य

चतुर्थ पत्र	व्याकरण एवं निबन्ध
पंचम पत्र	प्राचीन साहित्य, अथवा आधुनिक संस्कृत साहित्य अथवा लघुशोधप्रबन्ध ( नियमित छात्रों के लिए)

## अवधेयम् -

- 1- प्रत्येक प्रश्नपत्र में निर्धारित पाठ्य विषयों अथवा ग्रन्थों के इतिहास, काव्यशास्त्रीय पक्ष, समालोचनात्मक तथ्य आदि से संबद्ध प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनसे परीक्षार्थी के तत्सम्बन्धी ज्ञान का परीक्षण हो सके।
- 2- प्रत्येक प्रश्नपत्र हिन्दी भाषा के माध्यम से बनाया जायेगा, किन्तु परीक्षार्थी को यह छूट है कि वह उस प्रश्न विशेष के अतिरिक्त जिसका उत्तर परीक्षक ने संस्कृत में मांगा है, सभी प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से प्रस्तुत कर सकता है। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं।

*Raj Jain*

**Dy. Registrar (Academic-I)**  
University of Rajasthan  
Jaipur

## एम0ए0 (पूर्वाद्ध) संस्कृत-२०२

## प्रथम पत्र – वैदिक साहित्य और तुलनात्मक भाषा विज्ञान

समय – तीन घंटे

पूर्णांक – 100

अवधेयम् – प्रश्नपत्र हिन्दी भाषा में बनाया जायेगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं। शेष प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से दिये जा सकते हैं।

1- ऋग्वेद निम्न सूक्तों का अध्ययन ( अग्नि-1. 12, इन्द्र- 2. 12, रुद्र-2. 33, विष्णु-1. 154, अक्ष-10. 34, वरुण- 7 .86, वाक्-10. 125, पुरुष-10. 90, नासदीय-10. 129, हिरण्यगर्भ- 10 .121)	30 अंक
2- यजुर्वेद (अध्याय 34) – शिवसंकल्पसूक्त-दो मंत्रों में से एक की व्याख्या	5 अंक
3 – अथर्ववेद (12. 1) पृथिवी सूक्त (भूमि सूक्त) 1 से 18 मंत्र	10 अंक
4- निरुक्त-यास्क (प्रथम अध्याय)	25 अंक
5- भाषा विज्ञान – (रूपरेखा, क्षेत्र, भाषा उत्पत्ति के प्रमुख सिद्धान्त, उच्चारण स्थान, ध्वनियां, स्वर तथा व्यंजन, ध्वनि परिवर्तन के कारण, ध्वनि-नियम, भाषाओं का वर्गीकरण, अर्थ-परिवर्तन के कारण, संस्कृत ध्वनियों का विकास, संस्कृत और अवेस्ता, संस्कृत और पालि, संस्कृत और प्राकृत)।	30 अंक

विस्तृत अंक-विभाजन

1-ऋग्वेद	ऋग्वेद के निर्धारित सूक्तों में से चार मंत्रों में से 2 मन्त्रों की व्याख्या जिनमें से एक हिन्दी में और एक संस्कृत में करनी होगी।	20 अंक (10+10)
	2- पदपाठ	4 अंक
	3- दो देवताओं में से एक देवता का स्वरूप	6 अंक
2-यजुर्वेद	यजुर्वेद, के निर्धारित भाग से 2 मन्त्रों में से 1 की व्याख्या।	5 अंक
3- अथर्ववेद	2 मन्त्रों में से 1 की संस्कृत में व्याख्या	10 अंक
4- निरुक्त	1) चार उद्धरणों में से दो की व्याख्या	15 अंक(7.5+7.5)
	2) आठ पदों में से चार पदों की निर्वचन	10 अंक (2.5X4)

Raj | Jas

Dy. Registrar (Academic-I)  
University of Rajasthan  
Jaipur

5-भाषा विज्ञान	1) रूपरेखा, क्षेत्र, भाषा उत्पत्ति के प्रमुख सिद्धान्त दो में से एक प्रश्न करना होगा।	10 अंक
	2) उच्चारण स्थान, ध्वनियां, स्वर तथा व्यंजन, ध्वनि परिवर्तन के कारण, ध्वनि नियम। दो में से एक प्रश्न।	10 अंक
	3) भाषाओं का वर्गीकरण, अर्थ परिवर्तन के कारण संस्कृत ध्वनियां, अवेस्ता, पालि और प्राकृत। दो में से एक प्रश्न।	10 अंक
	कुल योग	100अंक

### सहायक पुस्तकें और संस्तुत पुस्तकें

#### क- वैदिक साहित्य

- 1-ऋक्सूक्त वैजयन्ती- डॉ. एच.डी. वेलनकर (पूना से प्रकाशित)
- 2-ऋक्सूक्त समुच्चय- डॉ. रामकृष्ण आचार्य, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
- 3-वैदिक वाङ्मय - एक परिशीलन - ब्रजबिहारी चौबे
- 4-वैदिक स्वरबोध - ब्रजबिहारी चौबे
- 5-ऋग् भाष्यसंग्रह - देवराज चानना
- 6-वैदिक व्याकरण - ए.ए. मेक्डोनल
- 7-वैदिक व्याकरण - डॉ. उमेशचन्द्र पाण्डे
- 8-वैदिक स्वरमीमांसा - श्री युधिष्ठिर मीमांसक
- 9-ऋग्वेद चयनिका - विश्वम्भरनाथ त्रिपाठी
- 10-वेद विज्ञान - कर्पूरचन्द्र कुलिश, राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर
- 11-छन्दःसमीक्षा - स्वामी सुरजनदास, राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर

#### ख- भाषा-विज्ञान

- 1-एन इन्ट्रोडक्शन टू कम्परेटिव फिलोलोजी, गुणे, ओरियंटल बुक एजेंसी, पूना
- 2-लिंग्विस्टिक इन्ट्रोडक्शन टू संस्कृत - बटकृष्ण घोष, इण्डियन इन्स्टीट्यूट, कोलकाता।
- 3-तुलनात्मक भाषाशास्त्र - डॉ० मंगलदेव शास्त्री
- 4-भाषाविज्ञान - डॉ० भोलानाथ तिवारी
- 5-संस्कृत का भाषाशास्त्रीय अध्ययन - डॉ. भोलाशंकर व्यास - भारतीय ज्ञानपीठ, काशी।
- 6-संस्कृत भाषाविज्ञान - डॉ. राजकिशोर सिंह, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
- 7-एलीमेंट्स ऑफ दी साईन्स ऑफ लैंग्वेज, तारापोरेवाला, हिन्दी अनुवाद, मध्यप्रदेश हिन्दी अकादमी
- 8-भाषा का इतिहास - श्रीभगवद्दत्त
- 9-संस्कृत का ऐतिहासिक एवं संरचनात्मक अध्ययन- देवीदत्त शर्मा, हरियाणा ग्रन्थ अकादमी।

अथवा

Raj | Tar

Dy. Registrar (Academic-I)  
University of Rajasthan  
Jaipur

एम.ए. पूर्वार्द्ध—प्रथम प्रश्नपत्र— ज्योतिषशास्त्र का इतिहास एवं फलित सिद्धान्त

प्रायोगिक परीक्षा 40 अंक  
सैद्धान्तिक परीक्षा 60 अंक  
पूर्णांक – 100 अंक

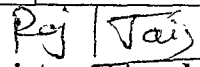
समय – तीन घंटे

अवधेयम् – प्रश्नपत्र हिन्दी भाषा में बनाया जायेगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं। शेष प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से दिये जा सकते हैं। प्रश्नपत्र में 60 अंक लिखित परीक्षा के लिए तथा 40 अंक प्रायोगिक परीक्षा के लिए निर्धारित होंगे। (लिखित परीक्षा के 60 अंक होने के कारण 20 प्रतिशत अर्थात् 12 अंक लिखित परीक्षा में संस्कृत भाषा के माध्यम के लिए निर्धारित होंगे शेष 48 अंक हिन्दी, अंग्रेजी एवं संस्कृत माध्यम से दिये जायेंगे)

1- भारतीय ज्योतिष का इतिहास	20 अंक
2- हस्तरेखा विज्ञान प्रथम एवं द्वितीय खण्ड—गोपेश कुमार ओझा	20 अंक
3- फलित खण्ड	20 अंक
4- प्रायोगिक परीक्षा	40 अंक
कुल योग	100 अंक

विस्तृत अंक—विभाजन

1-भारतीय ज्योतिष का इतिहास	(1) वैदिक वेदांग एवं पुराणकाल एवं पाराशर, आर्यभट्ट प्रथम व द्वितीय वराहमिहिर भास्कराचार्य, कल्याणवर्मा, लीलाधर, केशव राजदेवज्ञ, जगन्नाथ सम्राट, आचार्य जैमिनी तथा बापूदेव शास्त्री इन पर चार प्रश्न पूछे जायेंगे।	20 अंक (10+10)
2- हस्तरेखा विज्ञान	(1) दो प्रश्न पूछकर एक प्रश्न का उत्तर	10 अंक
	(2) चार टिप्पणियों में से दो का उत्तर	10 अंक (5+5)
3- फलितखण्ड	फलादेश के सामान्य सिद्धान्त, उत्तर भारतीय जन्मकुण्डली के आधार पर बारह भावों के फलादेश, नवग्रहों का स्वरूप, द्वादश राशियों का स्वरूप, बारह भावों के कारक ग्रह, ग्रहों के अधिकार क्षेत्र, मैत्री, पंचधा मैत्री, ग्रहों के कालांश, विवाह गुण मिलान की वैज्ञानिकता।	
	(1) दो प्रश्न पूछकर एक प्रश्न का उत्तर	8 अंक
	(2) दो प्रश्नों में से एक का संस्कृत में उत्तर	12 अंक

  
 Dy. Registrar (Academic-I)  
 University of Rajasthan  
 Jaipur

4-प्रायोगिक परीक्षा	(1) पंचांग, हस्तरेखा विज्ञान एवं फलित खण्ड पर आधारित होगी। इन विषयों से सम्बन्धित सामान्य व विशिष्ट प्रश्न किये जायेंगे। (20 प्रतिशत अंक अर्थात् 8 अंक संस्कृत माध्यम से अभिव्यक्ति के लिए निर्धारित होंगे)	40 अंक
	कुल योग	100 अंक

### सहायक पुस्तकें-

- 1- गण तरंगिणी-बापूदेव शास्त्री।
- 2- भारतीय ज्योतिष का इतिहास-शिवनाथ झारखण्डी, हिन्दी संस्थान, लखनऊ।
- 3- भारतीय ज्योतिष-नेमीचन्द शास्त्री।
- 4- हस्तरेखा विज्ञान-गोपेश कुमार ओझा।
- 5- फलित प्रबोधिनी-डॉ. विनोद शास्त्री, राज. ज्योतिष परिषद् एवं शोध संस्थान, जयपुर।
- 6- ज्योतिष प्रारंभिकी- डॉ. विनोद शास्त्री, राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर।
- 7- ज्योतिष सर्वस्व-डॉ. सुरेश चन्द मिश्रा, रंजन पब्लिकेशन, दिल्ली।

### द्वितीय प्रश्नपत्र - ललित साहित्य एवं नाटक

समय - तीन घंटे

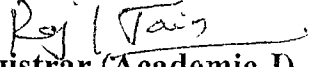
पूर्णांक - 100 अंक

अवधेयम् - प्रश्नपत्र हिन्दी भाषा में बनाया जायेगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं। शेष प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से दिये जा सकते हैं।

- |                       |        |
|-----------------------|--------|
| 1- मेघदूत-कालिदास     | 35 अंक |
| 2- मध्यम व्यायोग-भास  | 25 अंक |
| 3- मृच्छकटिकम्-शूद्रक | 40 अंक |

विस्तृत अंक-विभाजन

1-मेघदूत	(1) चार श्लोक (2 श्लोक पूर्वार्द्ध और 2 श्लोक उत्तरार्द्ध भाग में से) पूछकर दो की सप्रसंग व्याख्या (जिनमें से एक की व्याख्या संस्कृत में अनिवार्य)	20 अंक (10+10)
	(2) दो प्रश्न पूछकर एक प्रश्न का उत्तर	15 अंक
2-मध्यमव्यायोग	(1) चार श्लोक में से दो की सप्रसंग व्याख्या	15 अंक (7.5+7.5)
	(2) दो प्रश्न पूछकर एक प्रश्न का उत्तर	10 अंक

  
 Dy. Registrar (Academic-I)  
 University of Rajasthan  
 Jaipur

3-मृच्छकटिकम्	(1) चार श्लोक में से दो की सप्रसंग व्याख्या	20 अंक (10+10)
	(2) दो प्रश्न पूछकर एक प्रश्न का उत्तर	10 अंक
	(3) दो सूक्तियों में से एक की संस्कृत व्याख्या	10 अंक
	कुल योग	100 अंक

### सहायक पुस्तकें—

- 1- संस्कृत के संदेश काव्य – डॉ० रामकुमार आचार्य
- 2- मेघदूत—कालिदास—व्याख्या – डॉ० रामकृष्ण आचार्य, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
- 3- मध्यम व्यायोग— भास नाटक चक्रम्
- 4- मृच्छकटिकम् – रमाशंकर त्रिपाठी
- 5- मृच्छकटिकम् – डॉ० श्रीनिवास शास्त्री
- 6- मृच्छकटिकम्—शास्त्रीय, सामाजिक एवं राजनीतिक अध्ययन – डॉ० शालगराम द्विवेदी

### तृतीय प्रश्नपत्र – भारतीय दर्शन

समय – तीन घंटे


पूर्णांक – 100 अंक

अवधेयम् – प्रश्नपत्र हिन्दी भाषा में बनाया जायेगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं। शेष प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से दिये जा सकते हैं।

- |  |        |
|--|--------|
| 1- सांख्यकारिका, ईश्वरकृष्ण                  | 30 अंक |
| 2- तर्कभाषा (प्रामाण्यवादपर्यन्त), केशवमिश्र | 30 अंक |
| 3- वेदान्तसार,— सदानन्द                      | 20 अंक |
| 4-योगसूत्रम् (प्रथम व द्वितीय पाद) पतंजलि    | 20 अंक |

### विस्तृत अंक—विभाजन

1-सांख्यकारिका	(1) चार कारिकाओं में से दो की सप्रसंग व्याख्या (इनमें से एक संस्कृत भाषा में अनिवार्य)	20 अंक (10+10)
	(2) दो प्रश्नों में एक प्रश्न का उत्तर	10 अंक
2- तर्कभाषा	(1) चार में से दो की व्याख्या	20 अंक
	(2) दो प्रश्नों में एक प्रश्न का उत्तर	10 अंक
3- वेदान्तसार	(1) दो उद्धरणों में से एक उद्धरण की सप्रसंग व्याख्या	10 अंक
	(2) दो प्रश्नों में एक प्रश्न का उत्तर	10 अंक

  
 Dy. Registrar (Academic-I)  
 University of Rajasthan  
 Jaipur



5- योगसूत्रम्	(1) चार सूत्रों में से दो की व्याख्या	10 अंक (5+5)
	(2) दो प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत भाषा में।	10 अंक
	कुल योग	100 अंक

### सहायक पुस्तकें-

- 1- सांख्यकारिका (युक्तिदीपिका सहित) सं० रमाशंकर त्रिपाठी
- 2- सांख्यतत्त्वकौमुदी - रमाशंकर भट्टाचार्य
- 3- तर्कभाषा - आचार्य विश्वेश्वर सिद्धान्त शिरोमणि, चौखम्बा, वाराणसी
- 4- तर्कभाषा - आचार्य बदरीनाथ शुक्लकृत हिन्दी व्याख्या, चौखम्बा, वाराणसी
- 5- वेदान्तसार - सन्तराम श्रीवास्तव
- 6- वेदान्तसार - डॉ० शिवसागर त्रिपाठी, ज्ञान प्रकाशन, मेरठ
- 7- सर्वदर्शनसंग्रह - माधवाचार्य
- 8- अद्वैतवेदान्त में आभासवाद - डॉ० सत्यदेव मिश्र, इंदिरा प्रकाशन, पटना।
- 9- अर्थसंग्रह- लौगाक्षिभास्कर-चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
- 10- भारतीय दर्शन-संपादक डॉ. बाबूराम त्रिपाठी, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा,
- 11- भारतीय दर्शन- डॉ० बलदेव उपाध्याय
- 12- इन्टोडक्शन टु इण्डियन फिलासफी -दत्ता एवं चटर्जी (हिन्दी व अंग्रेजी संस्करण)
- 13- भारतीय न्यायशास्त्र- ब्रह्ममित्र अवस्थी (इन्दु प्रकाशन, दिल्ली)
- 14- भारतीय दर्शन -डॉ० उमेश मिश्र (हिन्दी समिति, उत्तरप्रदेश सरकार, लखनउ

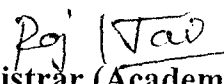
### चतुर्थ प्रश्नपत्र - भारतीय काव्यशास्त्र एवं व्याकरण

समय - तीन घंटे

पूर्णांक-100 अंक

अवधेयम् - प्रश्नपत्र हिन्दी भाषा के माध्यम से बनाया जायेगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं। शेष प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से दिये जा सकते हैं।

- 1- साहित्यदर्पण(1,2 परिच्छेद, तृतीय परिच्छेद कारिका 29 तक)-विश्वनाथ 25 अंक
- 2- नाट्यशास्त्र (षष्ठ अध्याय) - भरत 15 अंक
- 3- काव्यालंकार (भामह) प्रथम अध्याय 20 अंक
- 4- साहित्यशास्त्र के प्रमुख ग्रन्थ, चिन्तक एवं सिद्धान्त (6 सम्प्रदाय) 20 अंक
- 5- प्रक्रिया भाग-लघुसिद्धान्तकौमुदी (प्यन्त, सन्नन्त, आत्मनेपद, परस्मैपद) 20 अंक

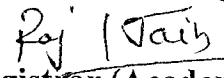
  
 Dy. Registrar (Academic-I)  
 University of Rajasthan  
 Jaipur

## विस्तृत अंक विभाजन

1-साहित्यदर्पण	(1) चार कारिकाओं/उद्धरणों में से दो की व्याख्या (जिसमें से एक की संस्कृत भाषा में अनिवार्य)	18 अंक(9+9)
	(2) दो प्रश्नों में एक प्रश्न का उत्तर।	7 अंक
2- नाट्यशास्त्र	(1) दो कारिकाओं में से एक की व्याख्या	8 अंक
	(2) दो प्रश्नों में एक प्रश्न का उत्तर।	7 अंक
3- काव्यालंकार	(1) चार कारिकाओं में से दो की व्याख्या (जिसमें से एक की संस्कृत भाषा में अनिवार्य)	20 अंक
4-साहित्यशास्त्र	(1) ग्रन्थ, चिन्तक में से दो प्रश्न पूछकर एक प्रश्न का उत्तर	10 अंक
	(2) सिद्धान्त संबंधी दो प्रश्न में से एक प्रश्न का उत्तर	10 अंक
5- प्रक्रियाभाग	(1) चार सूत्रों में से दो की व्याख्या	8 अंक
	(2) छह: सिद्धियों में से तीन सिद्धियां	12 अंक
	कुल योग	100 अंक

## संस्तुत पुस्तकें -

- 1-साहित्यदर्पण - डॉ० निरूपण विद्यालंकार
- 2-साहित्यदर्पण-शेषराज रेग्मी
- 3-साहित्यदर्पण-शालगराम शास्त्री
- 4-नाट्यशास्त्र- सम्पादक डॉ० भोलानाथ शर्मा- साहित्य निकेतन, कानपुर
- 5-भरतनाट्यशास्त्र- डॉ० ब्रजमोहन चतुर्वेदी, आकिर्य बुक डिपो, नई दिल्ली
- 6-नाट्यशास्त्र- डॉ० पारसनाथ द्विवेदी, विनोद प्रस्तक मन्दिर, आगरा
- 7-नाट्यशास्त्र- डॉ. रामसिंह चौहान, - महालक्ष्मी (रसोऽध्याय) प्रकाशन आगरा
- 8-काव्यालंकार- भामह बटुकनाथ शर्मा
- 9-अलंकारशास्त्र का इतिहास- डॉ० कृष्णकुमार
- 10-हिस्ट्री ऑफ अलंकार लिटरेचर- डॉ. पी.वी. काणे(काणे व हिन्दी संस्करण)
- 11-संस्कृत पोईटिक्स- एस.के.डे.(अंग्रजी व हिन्दी संस्करण)
- 12-भारतीय साहित्यशास्त्र, बलदेव उपाध्याय
- 13-लघुसिद्धान्तकौमुदी- भीमसेन शास्त्री
- 14-लघुसिद्धान्तकौमुदी- महेशसिंह कुशवाह
- 15-लघुसिद्धान्तकौमुदी- डॉ० अर्कनाथ चौधरी, आयुर्वेद हिन्दी संस्कृत पुस्तक भण्डार, जयपुर

  
 Dy. Registrar (Academic-I)  
 University of Rajasthan  
 Jaipur